# सेंट उर्सुला गर्ल्स हायस्कूल अण्ड जुनिअर कॉलेज, नागपूर

**व्दितीय सत्र परीक्षा 2020**

**विषय – हिंदी**

**समय – 3.00 घंटे** | **वर्ग – IX (C)** | **गुण – 80**

---

**प्र. 1 क) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियॉ कीजिए:**

**1)** **1. उत्तर लिखिए:** (2)

अ. डॉ. कलाम की कुटी का नाम –

ब. कुटी बनाने वाले शिल्पकार –

**2. कारण लिखिए:**

डॉ. कलाम ने अमर कुटी नाम दिया –

**2)** **कृति कीजिए** (2)

1.

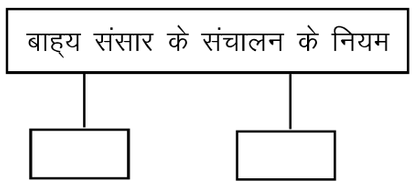




2. मन के आतरिक संसार के संचालन के नियमों को समझने से होने वाला लाभ

**अरुण** : इस विशाल वट वृक्ष के नीचे बैठकर कितनी गहन अनुभूति होती है । त्रिपुरा के शिल्पकारों ने बाँस की कितनी सुंदर कुटी बनाई है !

**डॉ. कलाम** : मैंने इसे अमर कुटी का नाम दिया है ।

**अरुण** : अमर कुटी ही क्यों ?

**डॉ. कलाम** : यहाँ बैठकर मुझे कुछ ऐसी अनुभूति होती है, जो अमर है। यहाँ बैठकर संसार की सारी घटनाएँ किसी अनदेखी शक्ति की लीला भर नजर आती हैं । मन, आकाश और अंतरिक्ष का विन्यास एक जैसे लगते हैं ।

**अरुण** : जी, लेकिन मन का संसार तो बहुत ही अव्यस्थित और बड़ा भ्रांति भरा है । भावों, अनुभूतियों और कल्पनाओं के कैसे-कैसे बहुरंगी स्वरूप देखने को मिलते हैं-कभी यह तो कभी वह इसके विपरीत, यह संसार तो बड़े व्यवस्थित रूप से संचालित होता है ।

**डॉ. कलाम** : यह संपूर्ण ब्रह्मांड तो निश्चित व्यवस्था के अंतर्गत निरंतर गतिशील रहता है परंतु संसार के विषय में तो ऐसा नहीं है । यहाँ तो बड़ी अफरा-तफरी है । जिस प्रकार सृष्टि के बाह्य संसार के संचालन के लिए कुछ निश्चित नियम हैं, जैसे-गुरुत्व का नियम और वायुगतिकी का नियम; ठीक उसी प्रकार मन के आंतरिक संसार के संचालन के लिए भी निर्धारित नियम हैं । इन नियमों की समझ से जीवन के अनुभवों को बेहतर ढंग से समझा जा सकता है । एक बार अपनी आत्मा के संपर्क में आ जाने पर मनुष्य मानो इस ब्रह्मांड के केंद्रबिंदु के रूप में क्रियाशील हो जाता है ।

**3. 1.परिच्छेद मे प्रयुक्त उपसर्ग एवं प्रत्यय युक्त शब्द लिखिए.** **(1)**

अ. उपसर्ग युक्त शब्द :

ब. प्रत्ययययुक्त शब्द :

**2. निम्नलिखित शब्दो के वचन बदलिएः** **(1)**

1. कुटी 2. मुखौटा

4. मन के आंतरिक संसार के नियमो को समझ लेने से होने वाले लाभो को आठ से दस वाक्यो मे लिखिए। (2)

**प्र.1. ख) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढकर दी गई सूचनाओ के अनुसार कृतीया कीजिएः**

**1. आकृति पूर्ण कीजिएः**

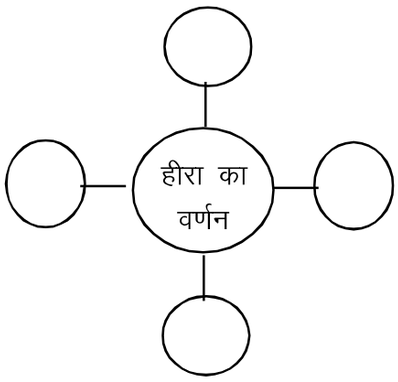


*'हीरा तो जैसे संसार ही से चला गया।'

'मेरा मन तो कहता है कि वह आवेगा, कभी-न-कभी जरूर।'

दोनों सोए। होरी अँधेरे मुँह उठा तो देखता है कि हीरा सामने खड़ा है, बाल बढ़े हुए, कपड़े तार-तार, मुँह सूखा हुआ, देह में रक्त और मांस का नाम नहीं, जैसे कद भी छोटा हो गया है। दौड़कर होरी के कदमों में गिरा पड़ा।

होरी ने उसे छाती से लगाकर कहा-"तुम तो बिलकुल घुल गए हीरा! कब आए? आज तुम्हारी बार-बार याद आ रही थी। बीमार हो क्या?"

आज उसकी आँखों में वह हीरा न था, जिसने उसकी जिंदगी तल्ख कर दी थी; बल्कि वह हीरा था, जो माँ-बाप का छोटा-सा बालक था। बीच के ये पचीस-तीस साल जैसे मिट गए, उनका कोई चिह्न भी नहीं था।

हीरा ने कुछ जवाब न दिया। खड़ा रो रहा था।

होरी ने उसका हाथ पकड़कर गद्गद कंठ से कहा- "क्यों रोते हो भैया, आदमी से भूलचूक होती ही है। कहाँ रहा इतने दिन?"*

**2. वाक्य पूर्ण कीजिए** **(2)**

1. होरी की ऑखो मे वह हीरा था जो ———
2. होरी अँधरे मुँह उठा तो देखता है कि ———

**3. परिच्छेद मे आए अंगो के नाम ———** **(1)**

1 ———— 2. ————————

**4. निम्नलिखित शब्दो के अर्थ लिखिए** **(1)**

1. कंठ = ——— 2. रक्त = ————

**5. 'आदमी से भूलचूक होती ही है,' इस पर अपने विचार लिखिए**

**प्र. 1. ग) अपठित परिच्छेद पढकर सूचना के अनुसार कृतीयॉ कीजिए :** **(2)**

**1. संजाल पूर्ण कीजिए**

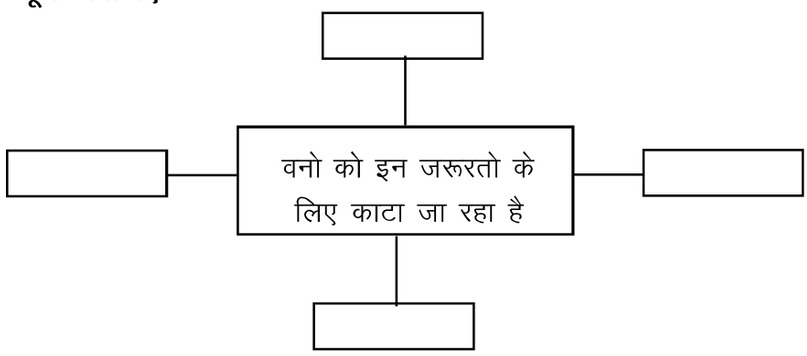




इसी तरह धरती पर विचरने वाले पशु - पक्षियों को देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि इनका अस्तित्व आज - कल का नहीं बल्कि इनके पूर्वज तो आदिकाल से ही पृथ्वी पर वास करते होंगे। भौगोलिक स्थिति एवं वायुमंडल में परिवर्तन होने के कारण वनस्पति तथा पशु - पक्षियों की प्रजातियाँ लुप्त हो गई होंगी। यही हाल आज भी है। परंतु इनके लुप्त होने के पीछे प्रमुख कारण प्राकृतिक आपदा न होकर हम लोग हैं। जो अपने लाभ के लिए जंगलों का विनाश कर रहे हैं। शायद हम यह भूल गए हैं कि हम उन पर आधारित हैं। अगर ये ही नहीं रहे तो हमारा सर्वनाश तय है। आज मनुष्य अपने कल की परवाह किए बिना जंगल को अंधाधुंध काट रहा है। अपनी जरूरतों की पूर्ति में सही - गलत का उसे होश ही नहीं रह गया हैं। खेती, धरों, कारखानों, फर्नीचर आदि के लिए वनों को काटा जा रहा है। वृक्षों की अंधाधुंध कटाई का ही परिणाम है कि हमें आज वर्षा, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदाओं से जूझना पड़ता है। कहीं पानी ही पानी है तो कहीं सूखा। यह सब वातावरण में आए हुए बदलाव का ही नतीजा है। वनों से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है। अगर वे नहीं रहेंगे तो हमारा क्या अस्तित्व ? बात वैसी ही हैं जैसे जानबूझकर अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारना।

2. 'वृक्ष के महत्व' पर अपने विचार लिखिए (2)

## विभाग 2: पद्य

**प्र.2 अ) निम्नलिखित पद्यांश पढकर सूचना के अनुसार कृतियॉ कीजिए:**

**1. आकृति पूर्ण कीजिए:** **(2)**

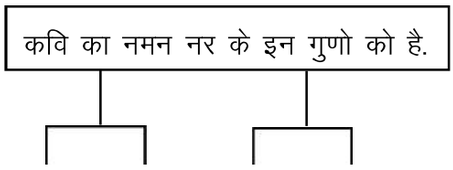




'जय हो' जग में जहाँ भी, नमन पुनीत अनल को,
जिस नर में भी बसे, हमारा नमन तेज को, बल को ।
किसी वृंत पर खिले विपिन में, पर नमस्य है फूल,
सुधी खोजते नहीं गुणों का आदि, शक्ति का मूल ।

ऊँच-नीच का भेद न माने, वही श्रेष्ठ ज्ञानी है,
दया-धर्म जिसमें हो, सबसे वही पूज्य प्राणी है ।
क्षत्रिय वही, भरी हो जिसमें निर्भयता की आग,
सबसे श्रेष्ठ वही ब्राह्मण है, हो जिसमें तप-त्याग ।

**2. सुधीजन गुणो की यह नही प्राप्त करते**

**1)................... ।**

**2) ................... ।** **(2)**

3. उपर्युक्त पद्यांश का सरल भावार्थ लिखिए

**प्र. 2. आ निम्नलिखित कविताओ मे से किसी एक का पद्य विश्लेषण निम्न मुद्दो के आधार पर कीजिए:**

1. बादल को धिरते देखा है 2. नवनीत
1. कवि का नाम – (1)
2. कविता की विद्या – (1)

3. पसंदीदा पंक्ति – (1)
4. पसंदीदा होने का कारण – (1)
5. कविता से प्राप्त संदेश – (2)

**प्र. 2. इ अपठित पद्यांश पढकर दी गई सूचनाओ के अनुसार कृतियॉ कीजिएः**

जागो सखी वसंत आ गया! जागो!
पीपल की सूखी खाल स्निग्ध हो चली
सिरिस ने रेशम से वेणी बाँध ली
नीम के बौर में मिठास देख
हँस उठी कचनार की कली
टेसुओं की आरती सजा के
बन गई वधू वनस्थली
स्नेह भरे बादलों से व्योम छा गया
जागो, जागो,
जागो सखी वसंत आ गया! जागो!
- अजेय

**1. तालिका पूर्ण कीजिए**

| वृक्ष के नाम | वसंत के आगमन का परिणाम |
|---|---|
| 1) पीपल | ———————— |
| 2) शिरीष | ———————— |
| 3) नीम | ———————— |
| 4) टेसू | ———————— |

(2)

**पूरक पठन**

**प्र.3. निम्नलिखित परिच्छेद पढकर सूचना के अनुसार कृतियॉ कीजिए**

**1. आकृति पूर्ण कीजिएः**

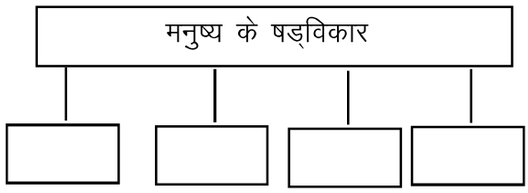


**(पारंपारिक वाद्य के साथ पाँच–छह कलाकार मिलकर भारूड़ गाते हैं)**

**सभी एक साथ :** सूरज उगा, प्रकाश आया, आड़ा डगर
आड़ा डगर और उसको मेरा नमस्कार ।

**सूत्रधार :** अरे... रे... रे... बिच्छू ने काटा (डसा) दैया रे दैया... बिच्छू ने काटा, अब मैं क्या करूँ .... बिच्छू ने काटा अब मैं क्या करूँ ... बिच्छू ने काटा, मैया रे मैया... बिच्छू ने काटा....

**कोरस :** अरे बिच्छू ने काटा, रे बिच्छू ने काटा, रे बिच्छू ने काटा..., हो !

**साथी :** महाराज, महाराज ये एकाएक क्या हुआ ?

**सूत्रधार :** काम, क्रोध, मद, मोह, गंदगी के बिच्छू ने काटा ऽ ऽ ऽ ऽ
तम पसीने से अंग–अंग लथपथ, जान खा रही झटपट,
मनुष्य का डंक अति दारुण

**साथी :** अच्छा–अच्छा अति ''दारू'' न

**सूत्रधार** : अरे दारू और डंक का यहाँ क्या संबंध भाई ... ? दारुण मतलब भयंकर

**साथी** : भयंकर मतलब तो अभ्यंकर क्या ,

**सूत्रधार** : अभ्यंकर का कोई संबंध नहीं, अरे अभ्यंकर नहीं, भयंकर मतलब अति भयंकर

**साथी** : अति भंयकर माने ,

2. संत एकनाथ द्वारा दी गई षड्विकारो से बचने की सलाह का वर्णन कीजिए (2)

## विभाग – 4: व्याकरण

**प्र 4. सूचना के अनूसार उत्तर लिखिए:**

**1. निम्नलिखित शब्द का वाक्य मे प्रयोग कीजिए।** **(1)**

और

**2. निम्नलिखित वाक्य मे से अव्यय शब्द पहचानकर उसका भेद लिखिए।** **(1)**

प्रभात कुमार की पुस्तक अगर मिल जाए तो पढना चाहूँगा।

**3. निम्नलिखित वाक्य के काल परिवर्तन कीजिए** **(2)**

वे पुस्तक शांति से पढते है।

**पूर्ण भूतकाल** ————

**सामान्य भविष्यकाल** ————

**4. तालिका पूर्ण कीजिए:** **(2)**

| | संधि | संधि विच्छेद | भेद |
|---|---|---|---|
| 1 | दिग्गज | ————+ ———— | ———— |
| 2 | ——————— | अन+आसक्त | ———— |

**5. निम्नलिखित वाक्य शुद्ध करके लिखिए :** **(2)**

1. बरसो के बाद पंडित जी को मि; का दर्शन हुआ।
2. बडे पैमाने मे कर वसूल करके उसका गरीबो को सहारा दिया जाए।

**6. उचित विराम चिह्नो का प्रयोग कर वाक्य पुनः लिखिए:** **(1)**

आपका पहला उपन्यास कौन–सा है

**7. प्रयुक्त वाक्य मे कारक पहचानकर भेद लिखिए:** **(1)**

करामत अली ने लक्ष्मी की पीठ सहलाई।

## विभाग – 5: उपयोजित लेखन

**प्र 5 अ.1. निम्नलिखित मे से किसी एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए** **(5)**

1. रमेश/ रेखा पाटील, पंचवटी चौक, अमरावती से मा. व्यवस्थापक, नवयुग स्पोर्टस्, राजकमल चौक, अकोला को क्रिकेट खेल की सामग्री मॉ।ग करते हुए पत्र लिखता/लिखती है।

**अथवा**

2. 103, तुसली बाग, पुणे से अनंत/अनिता चौधरी अपने मित्र/ सहेली, अजय/ अंजली पाठक वरूण विला, प्रोफेसर कालोनी, नागपूर को जिला विज्ञान प्रदर्शनी मे प्रथम पुरस्कार प्राप्त होने के उपलक्ष्य मे बधाई देते हुए पत्र लिखता / लिखती है!

2. **निम्नलिखित मुद्दो के आधार पर 70 से 80 शब्दो मे कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिएः** **(5)**

एक लालची आदमी –– कडी तपस्या करना –– देवता का प्रसन्न होना ––––– वरदान –– दौडकर जितनी जमीन घेरोगे, उतनी तुम्हारी –– दौडते रहना –– थककर गिरना –– मृत्यु– सीख।

3. **निम्नलिखित परिच्छेद पढकर इस पर आधारित पॉच प्रश्न तयार कीजिएः** **(5)**

समय की पाबंदी का उद्देश्य है अपने कार्य को मन लगाकर ठीक समय पर, निश्चित अवधि के भीतर सफलतापूर्वक पूर्ण करना। जो लोग समय के पाबंद होते हैं उन्हें अपने कार्य करने के लिए किसी की प्रेरणा के अनुरोध की आवश्यकता नहीं होती बल्कि उनकी आत्मा ही उन्हें अपने प्रत्येक कार्य में प्रवृत्त करती है। समय की पाबंदी करने वाले उत्साही और फुर्तीले होते हैं, अपने कार्यों को योजनाबद्ध रीति से करते हैं और अपने काम के समय का पूरा - पूरा उपयोग करने का ध्यान रखते हैं। ऐसे मनुष्य आमोद - प्रमोद के लिए, अपने मित्रों और सगे - संबंधियों को मिलने - जुलने के लिए तथा विश्राम और शयन के लिए उचित अवकाश भी निकाल लेते हैं परंतु इसके विपरीत समय को पाबंदी की उपेक्षा करने वाले लोग तनाव में रहते है, उनका समय इधर - उधर आलस्य और प्रमाद करने में व्यर्थ ही व्यतीत हो जाता है और वे सदा काम के बोझ की शिकायत करते रहते हैं।

**प्र. 6. 1. विद्यालय के प्रांगण मे मनाए गए 'बाल दिवस' का वृत्तांत तयार कीजिए।**
(वृत्तांत मे स्थल, काल, घटना का उल्लेख आवश्यक है)

2. **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर आकर्षक विज्ञापन तैयार कीजिए** **(5)**
जडी – बूटी औषधियॉ –– दुष्प्रभाव नही –– जड से रोग निवारण –– अच्छा स्वास्थ्य।

3. **निम्नलिखित मे से किसी एक विषय पर निबंध लिखिएः** **(5)**
1. प्रदूषण एक विश्वसमस्या 2. पुस्तक प्रदर्शनी मे एक घंटा

***